राज्यों में चीनी उत्पादन की रफ्तार धीमी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चालू पेराई सीजन में उत्तर प्रदेश को छोड़ बाकी राज्यों में चीनी उत्पादन की रफ्तार बहुत धीमी है। यही वजह है कि पिछले साल के मुकाबले चीनी का उत्पादन बहुत कम हुआ है। कम उत्पादन का अनुमान और चीनी निर्यात सौदा पक्का होने का असर घरेलू चीनी बाजार पर पड़ना तय है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के आंकड़ों के मुताबिक 30 नवंबर तक चालू सीजन (2019-20) में सौ से ज्यादा चीनी मिलों में पेराई चालू ही नहीं हो सकी थी। यही वजह है कि इस अवधि में मात्र 18.85 लाख टन चीनी का उत्पादन हो पाया है। जबकि पिछले साल की इस अवधि तक 41 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका था। पिछले साल (2018) में इस अवधि तक 418 मिलों में पेराई चालू हो गई थी, जबकि इस बार अभी तक केवल 279 मिलों में चीनी का उत्पादन होना शुरू हुआ है।

उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 111 मिलों में पेराई हो रही है, जिससे अब तक 10.81 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है। जबकि पिछले साल राज्य में अब तक 105 मिलों में ही पेराई शुरू हो सकी थी, जिससे 9.14 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इसके मुकाबले चीनी उत्पादन में दूसरे सबसे बड़े राज्य महाराष्ट्र में 30 नवंबर तक 43 मिलों में केवल 67 हजार टन चीनी का उत्पादन हो सका है, जबकि पिछले साल अब तक 175 मिलें खुल गई थीं। इनमें कुल 18.89 लाख टन चीनी का उत्पादन हो गया था।

Dainik Jagran
5-12-2019